उफान पर यमुना, खतरे के निशान के पार पहुंच गया जल स्तर

- हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया सबसे अधिक दो लाख 95 हजार 912 क्यूसेक पानी
- यमुना का जल स्तर पहुंचा 205. 46 मीटर, 28 सितंबर की रात तक 206 मीटर तक पहुंचने की है संभावना

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: राजधानी में पिछले दिनों हुई वर्षा के बाद हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली में यमुना उफान पर है। इससे सोमवार की रात नौ बजे पुराने रेलवे पुल के पास यमुना का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया। इसके बाद भी जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसके मद्देनजर दिल्ली सरकार के सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग ने बाढ़ का अलर्ट जारी कर जिला प्रशासन को यमुना के आसपास रहने वाले लोगों को हटाने का निर्देश दिया है।

सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार सोमवार को दोपहर करीब एक बजे ही पुराने रेलवे पुल के पास यमुना का जल स्तर 204.77 मीटर पहुंच गया था, जो चेतावनी के स्तर (204.50 मीटर) से ज्यादा है। इससे सुबह में सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग ने रात करीब 8:20 बजे यमुना का जल स्तर खतरे के निशान (205.33 मीटर) को पार करने का अलर्ट जारी किया। स्थिति यह है कि रात आठ बजे यमुना का जल स्तर 205.27 मीटर पहुंच भी गया और रात नौ बजे जल स्तर खतरे के निशान से ज्यादा 205. 46 मीटर हो गया। यह इस साल दूसरा मौका है, जब यमुना का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचा है। रात दो से तीन बजे के बीच यमुना का जल स्तर 205.65 मीटर तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है।

सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के कंट्रोल रूम के अनुसार सोमवार को हथिनी कुंड बैराज से यमुना में दोपहर करीब तीन बजे तक हर घंटे दो लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया है। सुबह पांच बजे सबसे अधिक दो लाख 95 हजार 912 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। शाम को भी हर घंटे एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया है। यह पानी दिल्ली पहुंचने पर 28 सितंबर की रात एक से तीन बजे के बीच यमुना का जल स्तर 206 मीटर तक पहुंच सकता है। पुराने रेलवे पुल के पास यमुना के बढ़ते ज़ल स्तर की स्थिति पर रेलवे के अधिकारी भी नजर बनाए हुए हैं। जल स्तर ज्यादा बढ़ने पर पुराने रेलवे पुल से ट्रेनों का अवागमन भी प्रभावित हो सकता है।

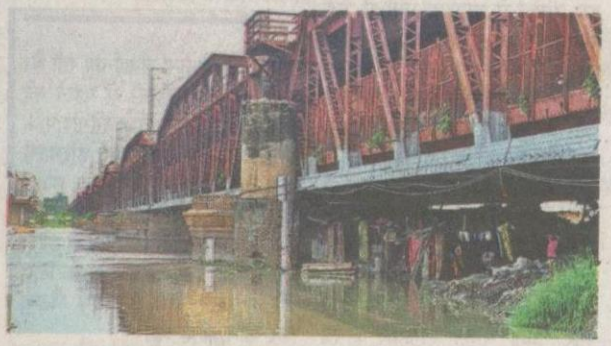

हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद सोमवार को दिन में ही ऐतिहासिक लोहे के पुल के पास खतरे के निशान को छूने लगा था यमुना का पानी। इसके बाद प्रसाशन ने खतरे को देखते हुए चेतावनी जारी कर लोगों से झुग्गियां खाली करने के लिए कहा ● ध्रुव कुमार

26 सितंबर को हथिनी कुंड बैराज से यमुना में छोड़ा गया पानी

सुबह पांच बजे	2,95,912 क्यूसेक
सुबह दस बजे	2,39,635 क्यूसेक
शाम सात बजे	1,32,493 क्यूसेक

इस तरह बढ़ा जल स्तर

दोपहर एक बजे	204.77 मीटर
शाम सात बजे	205.14 मीटर
रात आठ बजे	205.27 मीटर
रात नौ बजे	205.46 मीटर

इसके पहले पिछले माह 13 अगस्त को यमुना का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर 205.99 मीटर पहुंच गया था। वर्ष 1978 में जल स्तर 207.49 मीटर तक पहुंच गया था, जो अब तक रिकार्ड है। इसके बाद वर्ष 2013 में जल स्तर 207 मीटर से अधिक 207.32 तक पहुंचा था।

nwda.gov.in